भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. **988**

सोमवार, 3 दिसम्‍बर, 2012 को उत्तर के लिए

**असम में हाल ही में आई बाढ़ की चेतावनी**

**988. श्री बीरेन्‍द्र प्रसाद वैश्‍य :**

क्‍या **पृथ्‍वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

1. देश में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के अंतर्गत आने वाले बाढ़ मौसम विज्ञान कार्यालयों के कार्यों का ब्‍यौरा क्‍या है;
2. क्‍या गुवाहाटी स्‍थित बाढ़ मौसम विज्ञान कार्यालय ने असम में हाल ही में आई भयानक बाढ़ की चेतावनी दी थी जिससे 23 जिले प्रभावित हुए और जिसमें सौ से अधिक व्‍यक्‍तियों की जान गई;
3. यदि हाँ, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और इस पर क्‍या कार्रवाई की गई है; और
4. यदि नहीं, तो इसके क्‍या कारण हैं?

**उत्तर**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(श्री एस. जयपाल रेड्डी)

1. भारत मौसम – विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) द्वारा दस स्‍थानों यथा आगरा, अहमदाबाद, आसनसोल, भुवनेश्‍वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जलपाईगुडी, लखनऊ, नई दिल्‍ली तथा पटना में बाढ़ मौसम-विज्ञान कार्यालय (एफएमओ) स्‍थापित किए गए हैं। बाढ़ की ऋतु के दौरान निम्‍नलिखित नदियों के संबंध में बाढ़ की चेतावनी/अलर्ट जारी करने के लिए संबंधित बाढ़ मौसम-विज्ञान कार्यालय (एफएमओ) केन्‍द्रीय जल आयोग (सीडब्‍ल्‍यूसी) को बहुमूल्‍य मौसम-वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करता है:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **क्रम सं.** | **बाढ़ मौसम-** **विज्ञान कार्यालय का नाम** | **कवर किए गए नदी उप-बेसिन** |
| 1 | आगरा | निचली यमुना तथा बेतवा |
| 2 | अहमदाबाद | नर्मदा, तापी, माही, साबरमती, बनास, तथा दमन गंगा |
| 3 | आसनसोल | अजय, मयूरकाशी, तथा कांग्‍साबाती |
| 4 | भुवनेश्‍वर | महानदी, ब्राहमणी, बैतरणी, ब्रुहबा-लंग, सुवर्णरेखा, रूशकुल्‍य तथा वंशधारा |
| 5 | गुवाहाटी | बह्मपुत्र तथा बराक |
| 6 | हैदराबाद | गोदावरी तथा कृष्‍णा |
| 7 | जलपाईगुड़ी | तीस्‍ता |
| 8 | लखनऊ | गंगा,राम गंगा, गोमती, साई, राप्‍ती, घाघरा तथा समदा |
| 9 | नई दिल्‍ली | ऊपरी यमुना, निचली यमुना , सहिबी |
| 10 | पटना | कोसी, महानदी, बागमती, कमला, गंडक, बूढ़ी गंडक, उत्तर कोएल, कन्‍हार, पुनपुन तथा ऊपरी सोन |

**प्रेक्षित वर्षा रिपोर्टों के आधार पर उप-बेसिन पैमाने के परिमाणात्‍मक वर्षा अनुमान (क्‍यूपीई) तथा 9 किमी पैमाने के वर्षा पूर्वानुमानों (24 घण्टे, 48 घण्‍टे तथा 72 घण्‍टे अग्रिम) पर आधारित उप-बेसिन पैमाने के परिमाणात्‍मक वर्षा पूर्वानुमान (क्‍यूपीएफ) के संबंध में मौसम वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है। केन्‍द्रीय जल आयोग तथा अन्‍य नामोद्दिष्‍ट प्राधिकरणों के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभागों (एफएफडी) को जल मौसम वैज्ञानिक बुलेटिन, जिनमें सिनोप्‍टिक हालातों, वर्षा की बेसिन/उप-बेसिनवार तीव्रता तथा स्‍थानिक वितरण, ‘भारी वर्षा की चेतावनियॉं’ क्‍यूपीई तथा क्‍यूपीएफ सहित स्‍टेशनवार रिकॉर्ड की गई प्रमुख वर्षा ( 24 घण्‍टे में उप-बेसिन पैमाने की स्‍थानिक औसत मात्रा के रूप में सातों परिमाणात्मक पैमानों-1-10 मिमी, 11- 20 मिमी, 21-35 मिमी,** 36-50 **मिमी, 51-75 मिमी,** 76-100 **मिमी तथा >100 मिमी) शामिल है, उपलब्‍ध कराए जाते हैं।**

1. **जी हाँ।**
2. **असम में हाल ही में आई भारी बाढ़ जिसमें एक हजार से अधिक** व्‍यक्‍तियों की जान **गई थी, के दौरान बाढ़ मौसम -** विज्ञान **कार्यालय द्वारा केन्‍द्रीय जल आयोग के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग को दैनिक-आधार पर जल-मौसमवैज्ञानिक बुलेटिन भेजे गए थे। विशेषत: अवधियों** (i) 23.6.2012 **से** 3.7.2012 (ii) 12.7.2012 **से** 2.8.2012 (iii) 24.8.2012 **से** 31.8.2012 **तथा** 15.9.2012 **से** 23.9.2012 **के दौरान भारी वर्षा की चेतावनियॉं जारी की गई थी। 23.6.2012 से** 28.9.2012 **के दौरान उप-बेसिनों के लिए कुल मिलाकर 690 परिमाणात्‍मक वर्षा अनुमान जारी किए गए थे, जिनमें से 435 सही पाए गए थे अर्थात उप-बेसिन परिमाणात्‍मक रेंज के भीतर क्‍यूपीएफ वास्‍तव में घटित हुआ तथा 206 को उपयोगी पाया गया अर्थात् क्‍यूपीएफ ±1 के रेंज में वास्‍तव में घटित हुआ । 49 अवसरों पर क्‍यूपीएफ को उपयोगी नहीं पाया गया अर्थात् सत्‍यापन पर यह ±1 से अधिक था। इसलिए, मानसून-2012 के दौरान असम में आई बाढ़ के दौरान कुल उपयोगी क्‍यूपीएफ (सही तथा ±1 रेंज में) लगभग 92**% **थी ।**

**भारत मौसम-विज्ञान विभाग तथा केन्‍द्रीय जल आयोग द्वारा जारी किए गए अलर्ट/चेतावनियों के आधार पर, राज्‍य आपदा प्रबन्‍धन प्राधिकरण (एसडीएमए) के नियन्‍त्रण कक्ष ने लोगों को राष्‍ट्रीय आपदा रिस्‍पॉंस बल (एनडीआरएफ) बटालियनों तथा अन्‍य अर्द्धसैनिक बलों के आवासों सहित विभिन्‍न चिह्नित किए गए सुरक्षित आवासों में पहुँचाया।**

1. **प्रश्‍न नहीं उठता।**

\*\*\*\*\*